सुविचार

खुद का अपमान कराके जीने से तो अच्छा मर जाना है क्योंकि प्राणों के त्यागने से केवल एक ही बार कष्ट होता है पर अपमानित होकर जीवित रहने से आजीवन दुःख होता है।

-चाणक्य

हैलो सरकार

जनता की भावनाओं एवं आकांक्षाओं का एकमात्र समाचार-पत्र

पल-पल की टी.वी. एवं रेडियो खबरों के लिए लॉन ऑन करें- www.hellosarkar.com

हैलो सरकार समाचार पत्र में नियमित पाठक बनने, समाचार की प्रति मंगवाने व विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

फोनः 0141-2202717

मो: 9214203182

वाट्सप नं. 9928078717

वर्ष-23 | अंक-248 | दैनिक प्रभात संस्करण | जयपुर, सोमवार 12 मई , 2025 | पृष्ठ-4 | मूल्यः 2.50

सड़क किनारे खड़ी लावारिस पिकअप में मिला भारी मात्रा में विस्फोटक

जयपुर। राजधानी जयपुर में बस्सी थाना पुलिस ने शुक्रवार देर रात मोहनपुरा पुलिया के पास दौसा से जयपुर की तरफ राजमार्ग पर लावारिस हालत में खड़ी एक पिकअप वैन से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की है। पुलिस ने वाहन को जब्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

राजस्थान का यह शहर अति संवेदनशील क्षेत्र घोषित, यहां दिन और रात में अलग-अलग होगी मॉक ड्रिल, सायरन बजते ही करना होगा ऐसा

पुलिस ने बताया कि रात्रि गश्त के दौरान सूचना मिली थी कि मोहनपुरा पुलिया के पास एक पिकअप संदिग्ध अवस्था में खड़ी है। मौके पर पहुंची पुलिस ने वाहन के आसपास चालक की तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद क्रेन की मदद से पिकअप को थाने लाया गया।

पिकअप को थाने लाकर खड़ा किया

पुलिस ने बताया कि थाने में जांच के दौरान पिकअप में 63 कार्टन पाए गए, जिन पर प्रत्येक का वजन 25 किलोग्राम अंकित था। हर कार्टन में 12-12 बंडल थे, इस प्रकार कुल 756 बंडल बरामद हुए। सभी कार्टनों पर ओपटी स्टार एक्सप्लोसिव क्लासिक 2-कैट जेड जेड एवी

लिखा हुआ था। जांच में यह पुष्टि हुई कि सभी बंडलों में विस्फोटक सामग्री थी। इसके अलावा पिकअप में दस सफेद प्लास्टिक के कट्टे भी पाए गए, जिन पर अमोनियम नाइट्रेट, वजन 50 किलोग्राम लिखा हुआ था। इन कट्टों में भी विस्फोटक सामग्री पाई गई।

पीएम मोदी ने की उच्च स्तरीय बैठक, रक्षा मंत्री और एनएसए समेत तीनों सेनाओं के प्रमुख रहे मौजूद

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने आवास पर शीर्ष रक्षा अधिकारियों के साथ एक उच्च-स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान और तीनों सेनाओं के प्रमुख मौजूद रहे। यह बैठक पाकिस्तान के साथ सीमा पर तनावपूर्ण शांति के बीच हुई, जहां फिलहाल संघर्ष विराम के उल्लंघन की कोई नई घटना सामने नहीं आई है।

दरअसल, शनिवार को पाकिस्तान ने संघर्ष विराम का उल्लंघन किया, लेकिन रात में शांति रही। इससे पहले, पाकिस्तान ने संघर्ष विराम का पालन करने को लेकर प्रतिबद्धता जताई थी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को संघर्ष विराम की घोषणा की थी और नई दिल्ली ने कहा कि भारत और पाकिस्तान ने गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बना ली है। इस बीच, विदेश मंत्री जयशंकर ने स्पष्ट तौर पर कहा कि भारत आतंकवाद के

सभी रूपों के खिलाफ दृढ़ और अडिग रुख बनाए रखा है और ऐसा करना जारी रखेगा। हालांकि, पाकिस्तान ने भारत के कड़े जवाब के बाद अमेरिका से शांति की मध्यस्थता की मांग की थी। इसके बाद उसने भी संघर्ष विराम की घोषणा की, लेकिन बाद में फिर से उल्लंघन किया। भारत ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइल भेजना बंद कर दिया।

भारत ने स्पष्ट रूप से कहा कि श्रीनगर, गुजरात के कुछ हिस्सों और राजस्थान के बाड़मेर सहित जम्मू और कश्मीर के विभिन्न स्थानों पर पाकिस्तानी ड्रोन देखे गए, जिसके बाद उन्हें रोका गया। इतना ही नहीं, कई सीमावर्ती क्षेत्रों में फिर से ब्लैकआउट करना पड़ा।

भारत ने कहा कि पाकिस्तान ने संघर्ष विराम का उल्लंघन किया है और भारतीय सशस्त्र बल इसका उचित और कड़ा जवाब दे रहे हैं।

शनिवार देर रात प्रेस ब्रीफिंग में विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि भारत ने इन उल्लंघनों को बेहद गंभीरता से लिया है। उन्होंने कहा, हम पाकिस्तान से आग्रह करते हैं कि वह इन उल्लंघनों को रोकने और स्थिति को गंभीरता तथा जिम्मेदारी से संभालने के लिए उचित कदम उठाए। सशस्त्र बल स्थिति पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं और उन्हें अंतरराष्ट्रीय सीमा व नियंत्रण रेखा पर किसी भी उल्लंघन का कड़ाई से जवाब देने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। हालांकि, बाद में पाकिस्तान ने कहा कि वह संघर्ष विराम समझौते को ईमानदारी से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा, पाकिस्तान का मानना है कि यह क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान और शांति, समृद्धि व स्थिरता की दिशा में एक नई शुरुआत है।

तीनों सेनाओं की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस-सेना ने बताया

कंधार हाईजैक और पुलवामा हमले के तीन मास्टरमाइंड मारे गए, 9 टेरर लॉन्च पैड्स को निशाना बनाया गया

नई दिल्ली । भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ एक निर्णायक सैन्य कार्रवाई को अंजाम दिया है। इस कार्रवाई में कुल 9 टेरर लॉन्च पैड्स को निशाना बनाया गया, जिनमें 100 आतंकवादियों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। सेना ने यह जानकारी एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दी, जिसमें थल सेना, नौसेना और वायुसेना के शीर्ष अधिकारियों ने भाग लिया। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में डायरेक्टर जनरल मिलिट्री ऑपरेशंस (ष्ठत्तरूह्व) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, वाइस एडमिरल ए.एन. प्रमोद, और डायरेक्टर जनरल ऑफ एयर ऑपरेशंस एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती शामिल हुए। तीनों अधिकारियों ने ऑपरेशन से जुड़ी प्रमुख जानकारियों को साझा करते हुए बताया कि यह ऑपरेशन पूरी तरह से आतंकवाद के खिलाफ था और इसके लक्ष्य बेहद स्पष्ट थे।

आतंक के अड्डों को किया गया नेस्तनाबूद- लेफ्टिनेंट जनरल घईले. जनरल घई ने प्रेस को संबोधित करते हुए कहा, आप सभी जानते हैं कि हाल ही में हुए पहलगाम हमले में 26 निर्दोष लोगों की नृशंस हत्या की गई थी। यह हमला न केवल मानवता पर हमला था, बल्कि हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा को

चुनौती देने का प्रयास भी था। ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य ऐसे आतंकियों और उनके समर्थन तंत्र को जड़ से समाप्त करना था।

उन्होंने बताया कि भारतीय खुफिया एजेंसियों और टेक्निकल सर्विलांस की मदद से सीमा पार स्थित आतंकवादी ठिकानों की पहचान की गई और सभी को सटीक रूप से निशाना बनाया गया। उनके अनुसार,

9 ठिकानों पर कार्रवाई की गई, जिनमें से अधिकांश को पहले ही खाली करा लिया गया था, क्योंकि उन्हें भारतीय प्रतिक्रिया का भय था। फिर भी 100 से अधिक आतंकियों के मारे जाने की पुष्टि हुई है।

ले. जनरल घई ने यह भी खुलासा किया कि इस ऑपरेशन में कंधार विमान अपहरण (1999) और पुलवामा हमले (2019) में शामिल तीन बड़े आतंकवादियों को भी मार गिराया गया है। उन्होंने इन आतंकवादियों की पहचान बताने से इनकार करते हुए कहा कि अभी और विवरण साझा करना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से उचित नहीं है।

वायुसेना ने सबसे अधिक लक्ष्यों को अंजाम दिया- एयर मार्शल भारतीवायुसेना के डायरेक्टर जनरल ऑफ एयर ऑपरेशंस एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने बताया कि पहलगाम जैसे क्रूर हमले के बाद हमारे पास कार्रवाई के अलावा कोई रास्ता नहीं था। हमने बेहद सावधानीपूर्वक लक्ष्य चुने, ताकि नुकसान केवल आतंकवादी ढांचे को ही पहुंचे।

उन्होंने जानकारी दी कि 9 में से 6 लक्ष्य वायुसेना के हिस्से में आए। इनमें बहावलपुर और मुरीदके जैसे इलाकों के आतंकवादी कैंप शामिल थे। टारगेटिंग के लिए उन्नत उपग्रह इमेजरी, ड्रोन सर्विलांस और ऑन-ग्राउंड इंटेलिजेंस का सहारा लिया गया।

ऑपरेशन सिंदूर-युद्ध नहीं, सुरक्षा की अनिवार्यता

अधिकारियों ने एक सुर में कहा कि यह कोई युद्ध नहीं था, बल्कि आतंक के खिलाफ भारत का आत्मरक्षात्मक कदम था। वाइस एडमिरल एएन प्रमोद ने कहा कि

भारत ने संयम बरता, लेकिन जब आतंकवादियों ने निर्दोष नागरिकों पर हमला किया, तो कार्रवाई आवश्यक हो गई। यह ऑपरेशन एक सटीक, सीमित और प्रभावी प्रतिकार था।

सबूत भी लाए गए

ले. जनरल घई ने प्रेस को बताया कि इस ऑपरेशन में केवल आतंकी ठिकानों को ही निशाना बनाया गया, और कार्रवाई के सबूत भी इकट्ठा किए गए हैं। उन्होंने कहा, हमने न केवल टारगेट्स को तबाह किया, बल्कि उनके ठिकानों से कई डिजिटल और फिजिकल सबूत भी वापस लाए हैं। इनकी फोरेंसिक जांच जारी है।

100 से ज्यादा पुलिसकर्मियों से 50 करोड़ की ठगी, सरकारी टीचर गिरफ्तार, कांस्टेबल भाई अब भी फरार

अजमेर। एसपी वंदिता राणा ने बताया कि शिकायत मिलते ही कांस्टेबल पवन मीणा को 25 दिन पहले ही निलंबित कर दिया गया। दोनों भाइयों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है। फिलहाल पुलिस फरार चल रहे पवन की तलाश में जुटी है।

राजस्थान के अजमेर जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां दो सगे भाइयों ने करोड़पति बनने का सपना दिखाकर 100 से ज्यादा पुलिसकर्मियों से करीब 50 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। इस फर्जीवाड़े को अंजाम देने वालों में एक आरोपी सरकारी स्कूल में शिक्षक है और दूसरा पुलिस कांस्टेबल, जो इस पूरे रैकेट का मास्टरमाइंड माना जा रहा है।

पुलिस ने इस मामले में बड़ी कार्रवाई कर आरोपी सरकारी शिक्षक कुलदीप मीणा (34) को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसका भाई और मुख्य साजिशकर्ता पुलिस कांस्टेबल पवन मीणा अब भी फरार है। कुलदीप को पकड़ने के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी, क्योंकि वह लगातार हुलिया और ठिकाना बदलकर बचता रहा। उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था।

क्लॉक टॉवर थाना प्रभारी वीरेन्द्र सिंह शेखावत ने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर कुलदीप को गिरफ्तार किया गया। उसके बैंक खाते से करीब 18 लाख रुपये की राशि भी बरामद की गई

है। उसे कोर्ट में पेश कर पांच दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया है ताकि पूरे नेटवर्क की तह तक पहुंचा जा सके।

पुलिसकर्मियों को चौगुना मुनाफा देने का लालच

इस हाई-प्रोफाइल ठगी का पर्दाफाश तब हुआ जब मदनगंज-किशनगढ़ में तैनात कांस्टेबल दीपक वैष्णव ने क्लॉक टॉवर थाने में मामला दर्ज करवाया। शिकायत में उसने बताया कि उसका बैचमेट पवन मीणा अक्सर थानों में आकर %बड़े प्रोजेक्ट्स में निवेश और %चौगुनी कमाई का झांसा दिया करता था। पवन और उसके भाई कुलदीप ने मिलकर एक फर्जी इन्वेस्टमेंट कंपनी बनाई, जिसके तहत उन्होंने दावा किया कि निवेशकों का पैसा नेशनल हाईवे जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स में लगाया जाएगा। इस भरोसे के जाल में आकर कई पुलिसकर्मियों ने अपनी मेहनत की कमाई इस स्कीम में लगा दी।

वर्दी और नेटवर्क का इस्तेमाल कर रची ठगी की बड़ी साजिश

एसपी वंदिता राणा ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि शिकायत मिलते ही कांस्टेबल पवन मीणा को 25 दिन पहले ही निलंबित कर दिया गया। दोनों भाइयों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है। फिलहाल पुलिस फरार चल रहे पवन की तलाश में जुटी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह ठगी योजनाबद्ध तरीके से की गई थी। पवन मीणा ने न सिर्फ अपनी वर्दी और पद का दुरुपयोग किया, बल्कि पुलिस विभाग के भीतर अपने नेटवर्क के जरिए आसानी से अन्य पुलिसकर्मियों को भरोसे में लिया और बड़ी राशि हड़प ली।

राहुल गांधी और खड़गे की पीएम मोदी से मांग

ऑपरेशन सिंदूर और युद्ध विराम पर चर्चा के लिए बुलाएं विशेष संसद सत्र

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर पहलगाम आतंकी हमले, ऑपरेशन सिंदूर और युद्ध विराम घोषणा पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र तुरंत बुलाने की मांग की है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अपने पत्र में लिखा, ‘‘मैं विपक्ष के सर्वसम्मति से किए गए अनुरोध को दोहराता हूं कि संसद का विशेष सत्र तुरंत बुलाया जाए। लोगों और उनके प्रतिनिधियों के लिए पहलगाम आतंकी हमले, ऑपरेशन सिंदूर और आज के युद्धविराम पर चर्चा करना बहुत जरूरी है, जिसकी घोषणा सबसे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने की थी। यह सत्र आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए हमारे सामूहिक संकल्प को प्रदर्शित करने का अवसर होगा।

मुझे विश्वास है कि आप इस मांग पर गंभीरता से और तेजी से विचार करेंगे।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने 28 अप्रैल के अपने पत्र का जिक्र किया, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से पहलगाम आतंकवादी हमले पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने का आग्रह किया था।

खड़गे ने अपने पत्र में लिखा, माननीय प्रधानमंत्री जी, कृपया याद करें कि मैंने राज्यसभा में विपक्ष

के नेता के रूप में आपसे क्या कहा था। मैंने 28 अप्रैल को लिखे पत्र के माध्यम से आपसे पहलगाम में हुए अमानवीय आतंकवादी हमले को देखते हुए संसद के दोनों सदनों का विशेष सत्र बुलाने का अनुरोध किया था। नवीनतम घटनाक्रमों के मद्देनजर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने आपको फिर से पत्र लिखकर सभी विपक्षी दलों के सर्वसम्मत अनुरोध से अवगत कराया है। उन्होंने संसद का विशेष सत्र बुलाने का आग्रह किया है, जिसमें पहलगाम आतंकवाद, ऑपरेशन सिंदूर और पहले वाशिंगटन डीसी फिर बाद में भारत और पाकिस्तान की सरकारों की ओर से की गई युद्धविराम घोषणाओं पर चर्चा करने की बात है। राज्यसभा में विपक्ष के नेता के रूप में मैं इस अनुरोध के समर्थन में पत्र लिख रहा हूं। मुझे विश्वास है कि आप सहमत होंगे।

वहीं राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने मीडिया से बात करते हुए संसद का विशेष सत्र और सर्वदलीय बैठक बुलाने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी कहा कि हम आज कोई आलोचना नहीं करेंगे। उन्होंने भी सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि जब तक सरकार उन्हें यह आश्वासन नहीं देती कि प्रधानमंत्री भी बैठक में मौजूद रहेंगे, तब तक वे बैठक में शामिल न हों।

अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा सीजफायर की घोषणा किया जाना हैरान करने वाला-सचिन पायलट

जयपुर। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दिए गए बयान पर हैरानी जताई है। साथ ही उन्होंने कहा कि अमेरिका ने किन शर्तों पर ऐसी घोषणा की है, यह बहुत बड़ा सवाल है। पायलट ने कहा कि अब पीओके को वापस लेने के प्रस्ताव को दोहराने का वक्त आ गया है।

राजधानी दिल्ली में 24 अकबर रोड स्थित कांग्रेस पार्टी कार्यालय में रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में सरहद के पास वाले क्षेत्रों में जिन भारतीय नागरिकों की जान गई है, मैं उन्हें कांग्रेस पार्टी की तरफ से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। साथ ही मैं भारतीय सेना के पराक्रम और शौर्य को सलाम करता हूं। हमारी सेना ने एक बार फिर दिखाया है कि वह दुनिया के सर्वोत्तम सेनाओं में से एक है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने की सीजफायर की घोषणा, ऐसा पहली बार हुआ

सचिन पायलट ने कहा कि पिछले 24 घंटों में पूरा घटनाक्रम बहुत तेजी से बदला है। हम सभी को आश्चर्य हुआ कि भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर की घोषणा अमेरिका के राष्ट्रपति ने की।

यह शायद पहली बार हुआ है, जब सीजफायर की घोषणा सोशल मीडिया के जरिए अमेरिका के राष्ट्रपति करते हैं। उन्होंने जो अपने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा है, हमें उस पर भी ध्यान देना चाहिए। भारत और पाकिस्तान के बीच जो मसला है, उसका अंतरराष्ट्रीयकरण करना बेहद आश्चर्यजनक है।

आ गया 1994 के प्रस्ताव को दोहराने का वक्त

सचिन पायलट ने कहा कि हमारी पार्टी लंबे समय से विशेष संसद सत्र बुलाने की मांग कर रही है। साल 1994 में कांग्रेस सरकार ने पीओके को वापस लेने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित कराया था। अब समय आ गया है कि 1994 के प्रस्ताव को दोहराया जाएं। मोदी सरकार को हमारी मांग सुननी चाहिए और एक विशेष संसद सत्र बुलाकर चर्चा करनी चाहिए। इससे पूरी दुनिया में संदेश जाए कि आतंकवाद और पाकिस्तान के दुस्साहस के खिलाफ पूरा देश एकजुट है। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद पूरे देश और विपक्ष समेत हर राजनीतिक दल से भारत सरकार को पूरा समर्थन मिला। हमने पहले दिन से ही साफ कहा था कि यह हमारी आत्मा पर हमला है और इसका मुंहतोड़ जवाब देना जरूरी है। सेना ने जो कदम उठाए, हमें उस पर गर्व है।

नास्तिकता का प्रतीक है आतंकवाद

विश्व में स्थायी भविष्य की शान्ति के लिए पाकिस्तान को नेस्तानाबूत ही करना पड़ेगा। ऑपरेशन सिन्दूर कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा 22 अप्रैल 2025 को मारे गए 26 भारतीयों का बदला है। हिन्दुस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर से विश्व को आतंक के खिलाफ चेतावनी दे दी है। ऑपरेशन सिंदूर के द्वारा पाकिस्तान की लगभग सभी एयरबेस ध्वस्त हो चुकी हैं। हिन्दुस्तान आतंक की कमर तोड़ रहा है न की नागरिकों की। भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन सिन्दूर ने पाकिस्तान के होश उड़ा दिए हैं।

(लेखक-डॉ. शंकर सुवन सिंह)

भारत ने ऑपरेशन सिन्दूर के तहत आतंक के गढ़ में आतंक को मार गिराया है। ऑपरेशन सिंदूर से कई आतकवादियों का सफाया हुआ है। पाक ने हिन्दुस्तानियों का सुहाग बिगाड़ा तो भारत ने आतंक का संसार ही उखाड़ दिया है। पाकिस्तान, हिन्दुस्तानियों से भविष्य में भय खाएगा और कोई भी घटना को अंजाम देने से पहले अपनी मौत को दावत देगा। पकिस्तान आतंकिस्तान है। पकिस्तान की सेना और आतंकवादी दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। ये दोनों इस युद्ध में बराबर की सहभागिता निभा रहे हैं। पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी वहां की सेना का ही एक हिस्सा है जिसे आई एस आई आदि संगठन के नाम से जाना जाता है। पाकिस्तान का नाम आतंकिस्तान होना चाहिए। अब समय आ गया है की पूरे पकिस्तान को ध्वस्त कर विश्व में अमन और चैन स्थापित किया जाए। ऑपरेशन सिंदूर में कई आतंकवादी संगठन जैसे जैश, लश्कर, के आतंकवादियों को मार गिराया गया है। इन सभी मारे गए आतंकवादियों को पकिस्तान की सेना ने गॉर्ड ऑफ ऑनर दिया। इससे विश्व में सन्देश जाता है कि पाकिस्तान की पूरी सेना ही आतंकवादी की भूमिका में है। विश्व में स्थायी भविष्य की शान्ति के लिए पाकिस्तान को नेस्तानाबूत ही करना पड़ेगा। ऑपरेशन सिन्दूर कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा 22 अप्रैल 2025 को मारे गए 26 भारतीयों का बदला है। हिन्दुस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर से विश्व को आतंक के खिलाफ चेतावनी दे दी है। ऑपरेशन सिंदूर के द्वारा पाकिस्तान की लगभग सभी एयरबेस ध्वस्त हो चुकी हैं। हिन्दुस्तान आतंक की कमर तोड़ रहा है न की नागरिकों की। भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों को तबाह कर दिया। आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन सिन्दूर ने पाकिस्तान के होश उड़ा दिए हैं। अब कंगाली की दहलीज पर पंहुच चुके पाकिस्तान को अपने रक्षा बजट को 18 फीसदी तक बढ़ाना पड़ा है। पहले से महंगाई की मार झेल रहे पाकिस्तान को भविष्य में बर्बादी का मंजर देखना पड़ेगा। विशेषज्ञों के मुताबिक कोई बड़ी बात नहीं कि हम जल्द ही पाकिस्तान को टूटते हुए भी देखें। आतंक के आकाओं को समझ लेना चाहिए की अब उनका स्थान पृथ्वी पर न होकर जह्नुम है जहां उनको उनके अनुसार हूर की परियां मिलेंगी। हिन्दुस्तान की सशक्त महिलाएं विंग कमांडर व्योमिका सिंह और कर्नल सोफिया कुरैशी ने ऑपरेशन सिंदूर को सफल बनाकर नारीशक्ति की मिसाल को कायम किया है। इनके जज्बे को मेरा सलाम है। आज कुंठित देश आतंकवाद का सहारा लेता है या गलत नीतियों और सिद्धातों का सहारा लेता है। इसलिए जो देश कभी एक हुआ करते थे वो आज एक दूसरे के दुश्मन बने हुए हैं। आतंकवाद एक विशेष धर्म में ही क्यों पनपा? ये बड़ा प्रश्न है। लोग कहते हैं कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, पर मेरा मानना है की आतंकवाद है और आतंक के आकाओं का धर्म मुस्लिम है। इन्हे मुस्लिम आतंकी कहने में कोई हर्ज़ नहीं है। ये सारेआतंकी पाकिस्तान जैसे मुस्लिम देश में ही क्यों पल रहे हैं? ये आतंकी नमाज भी पढ़ते हैं, मस्जिद भी जाते हैं और मुस्लिम देश में शरण भी लेते हैं तो ये मुस्लिम ही तो हुए। इन आतंक के आकाओं की कमर तोड़ दी जाएगी और भविष्य में ये अपनी जड़ को कमजोर होते देखेंगे। विश्व के सभी मुस्लिम समुदाय के लोगों को आतंकियों को सबक सिखाना पड़ेगा वरना ये आतंकी मुस्लिम, पूरे मुस्लिम समुदाय को बर्बाद कर देंगे। ये आतंकी, मुस्लिम समुदाय के लिए दीमक का काम कर रहे हैं। यह कहने में अतिश्योक्ति नहीं होगी कि आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला मुस्लिम देश पाकिस्तान खुद एक दिन अपनी बर्बादी की कहानी लिखेगा।

वहीँ दूसरी तरफ देखा जाए तो एक अपना हिन्दुस्तान का मुसलमान है जो राष्ट्र प्रथम और राष्ट्र सर्वोपरि की अभिधारणा पर चलता है। ये भारत के मुस्लिम क्या मुस्लिम नहीं हैं जिनमे प्रेम और सद्भाव कूट कूट के भरा है। कहने का तात्पर्य यह है की कोई देश चाहे तो वो अपने नागरिको को आतंकवादी बना दे या अपने नागरिकों को देवतुल्य बना दे। सारा खेल नागरिकता और वहां की संस्कृति का है। जिस देश की संस्कृति और सभ्यता जैसी होती है वैसे ही वहां का नागरिक भी बन जाता है। कहने का तात्पर्य धर्म से बढ़कर पहले राष्ट्र है। स्वतः के साथ प्रतिस्पर्धा स्व को निर्मित करती है, साथ ही साथ समाज और राष्ट्र को मजबूत

करती है। व्यक्ति,समाज और राष्ट्र सभी की प्रतिस्पर्धा स्वयं से होनी चाहिए। प्रकृति, दूसरों से प्रतिस्पर्धा की अनुमति नहीं देती है। प्रकृति हमेशा स्व से जुड़ने की ओर प्रेरित करती है। स्व से जुड़ना ही असली प्रतिस्पर्धा है। एक सफल राष्ट्र की प्रतिस्पर्धा स्वतः से होती है। जैसे बेरोजगारी, महंगाई, खाद्यान, मेडिकल, शिक्षा आदि को लेकर प्रतिस्पर्धा। कहने का तात्पर्य एक सफल राष्ट्र की प्रतिस्पर्धा स्वयं के दृष्टिकोण से होती है जो भारत में है। युद्ध आतंक के सफाए के लिए जरुरी है। आतंक का सफाया विश्व में शांति ले कर आएगा। शांति, विकास का कारण बनती है। आतंक के खिलाफ युद्ध वैश्विक शांति का कारक है।

कहने का तात्पर्य यह है कि पड़ोसी देश पाकिस्तान से जब आतंक का सफया होगा तभी शांति कायम होगी। और वही शांति पड़ोसी मुल्क से मित्रता का कारण बनेगी। आतंक के खिलाफ युद्ध आस्तिकता को प्रकट करती है। आतंकवाद नास्तिकता को प्रकट करती है। आस्तिकता स्वर्ग को प्रकट करती है। नास्तिकता नरक को प्रकट करती है। आस्तिकता स्वर्ग के द्वार को खोलती है। नास्तिकता नरक के द्वार को खोलता है। अतएव आतंकवाद किसी नरक से कम नहीं है। अतएव हम कह सकते हैं कि आतंकवाद, नास्तिकता का प्रतीक है। पाकिस्तान आतंकवाद की आड़ में अपनी विजय पताका लहराना चाहता है। जिस किसी देश ने आतंकवाद को अपने देश में दखलंदाजी करने की सह दी वह देश बर्बाद हो गया। भारत जैसा देश जो आतंकवाद के खिलाफ है वो महान है।

आतंकवाद विश्व के भविष्य के लिए चेतावनी है। विश्व के सभी देशों को आतंकवाद के खिलाफ एक होकर लड़ने की जरुरत है। सभी देशों को मिलकर विश्व के स्थाई भविष्य के लिए काम करना चाहिए। भारत पाकिस्तान का यह युद्ध आतंकवाद पर कड़ा प्रहार साबित होगा। अतएव हम कह सकते हैं कि ऑपरेशन सिन्दूर से आतंकवाद की कमर टूटी है और आतंकियों का सफाया हुआ है।

संपादकीय

पटाखों के खिलाफ मुस्तैदी

अदालत ने उप्र, राजस्थान और हरियाणा सरकार से पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत निर्देश जारी करने को कहा है, जिसमें पटाखों का निर्माण, बिक्री, भंडारण और ऑनलाइन उपलब्धता पर पूर्ण प्रतिबंध लगे। कोर्ट ने ईपीए की धारा 5 के तहत जारी निर्देशों को राज्यों के सभी कानून प्रवर्तन तंत्रों के माध्यम से सख्ती से लागू करने की बात की। पटाखों को पूर्णतया प्रतिबंधित करने के बावजूद विभिन्न त्योहारों और हर्षोल्लास वाले मौकों पर आतिशबाजी रोकने में सरकार बुरी तरह असफल नजर आ रही है। वायु, जल, कचरा, उद्योग से पहले ही प्रदूषण बहुत है, जिसमें मिल कर पटाखा प्रदूषण मानव जीवन के लिए खतरा बढ़ाने वाला साबित होता है। पटाखा उत्पादन में भारत चीन के बाद दुनिया में दूसरे स्थान पर है, जिसमें सबसे ज्यादा पटाखे (तकरीबन 85त्न) तमिलनाडु के शिवकाशी में बनते हैं। वहां पांच सौ से अधिक इकाइयों में छोटे-बड़े पटाखों का निर्माण होता है। शीर्ष अदालत पहले भी दिल्ली एनसीआर ही नहीं, बल्कि पूरे देश में पटाखों पर रोक लगाने की बात कह चुकी है। बावजूद पटाखों की बिक्री साल-दर-साल बढ़ती जा रही है। अंदाजे के अनुसार, गये साल पटाखों की खुदरा बिक्री छह हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गई थी। उप्र, बिहार और गुजरात में इनकी जबरदस्त मांग है। पटाखे जलाने और इनसे पर्यावरण को नुकसान को लेकर जनजागरूकता जरूरी है। हालांकि इसमें प्रसिद्ध शख्सियतों समेत राजनीतिक हस्तियों और बड़े दलों को आगे आना होगा और उनके यहां होने वाले उत्सवों/हर्षोन्माद के दौरान पटाखों को सख्ती से प्रतिबंधित करना होगा। पटाखा उद्योग ने बेशक, लाखों लोगों को रोजगार दिया है, मगर उसे सीमित किए बगैर आतिशबाजी की बिक्री थामना दुष्कर होगा। प्रदूषण के चलते होने वाले घातक रोगों की रोकथाम के लिए आवश्यक है कि कुछ कड़े कदम फौरन उठाए जाएं। अदालत की बार-बार घुड़की के बावजूद सरकारों और प्रशासन के कानों में जूं रेंगती नहीं नजर आ रही, बल्कि जब भी पटाखों के खिलाफ अभियान चलाया जाता है, या कोई शख्सियत आवाज उठाती है, तो जनता उल्टा उस पर कटाक्ष करने और ट्रोलिंग करने पर उतारू हो जाती है। युवाओं और किशोरों के बीच पटाखों के दुष्परिणामों पर खुल कर चर्चा हो और राज्य सरकारों पर पटाखों के पूर्ण-प्रतिबंध पर केंद्र मुस्तैद हो।

संत कवि सूरदास की कृष्ण आराधना

(लेखक - संजय गोस्वामी/ईएमएस)

सूरदास की जयंती 12 मई25, पर विशेष)

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, वैशाख माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को सूरदास जी का जन्म हुआ था। इसलिए हर साल इस दिन को सूरदास जयंती (Surdas Jayanti 2024) के रूप में मनाया जाता है। अतः सूरदास की जयंती 12 मई 2024 को है उनके पिता का नाम पंडित था। रामदास सारस्वत ब्राह्मण और माता का नाम जमुना दास था। सूरदास के पिता एक प्रसिद्ध गायक थे। सूरदास के जन्मांध होने की कई कहानियाँ प्रचलित हैं। कुछ विद्वानों का मानना है कि वह जन्म से ही अंधे थे, जबकि अन्य का मानना है कि वह बाद में अंधे हो गये। फरीदाबाद के निकट जी गाँव में उनका जन्म हुआ था वे जन्म से ही अंधे थे इसलिए उनका नाम सूरदास हुआ उन्होंने सूरसागर आदि महान रचनाओं की रचना की थी। सूरदास ने अपनी प्राथमिक शिक्षा अपने पिता से प्राप्त की। उसके बाद उन्होंने संस्कृत, व्याकरण, साहित्य और संगीत का अध्ययन किया। वह एक कुशल गायक और कवि थे। एक बार सूरदास की भेंट श्री वल्लभाचार्य से आगरा के निकट गऊघाट पर हुई। वल्लभाचार्य ने उन्हें पुष्टिमार्ग में दीक्षित किया और कृष्णलीला के पद गाने का आदेश दिया। वल्लभाचार्य के शिष्य के रूप में सूरदास ने कई वर्षों तक कृष्णलीला के कई पद गाए और लिखे। सूरदास को वल्लभाचार्य का शिष्य माना जाता है। वे मथुरा के गऊघाट स्थित श्रीनाथ जी के मंदिर में रहते थे। सूरदास का भी विवाह हो गया। आपको बता दें कि अलग होने से पहले वह अपने परिवार के साथ रहते थे। वल्लभाचार्य से मिलने से पहले सूरदास विनम्रता के पद गाते थे, लेकिन जब वे वल्लभाचार्य से मिले और उनके संपर्क में आए तो उन्होंने कृष्णलीला गाना शुरू कर दिया। कहा जाता है कि तुलसी की मुलाकात एक बार मथुरा में सूरदास जी से हुई और धीरे-धीरे उनके बीच प्रेम की भावना बढ़ती गई। ऐसा माना जाता है कि तुलसीदास ने सूरदास के प्रभाव में आकर श्री कृष्ण गीतावली की रचना की थी। सूरदास की सबसे प्रसिद्ध रचना सूरसागर है। यह एक महाकाव्य है जिसमें कृष्णलीला का वर्णन है। इस महाकाव्य में सूरदास ने कृष्ण के बचपन से लेकर उनके द्वारिका प्रवास तक की घटनाओं का वर्णन किया है। इस रचना ने सूरदास को हिन्दी साहित्य का सूर्य बना दिया। वह अपनी रचना सूरसागर के लिए बहुत प्रसिद्ध हैं। ऐसा माना जाता है कि उनके काम में लगभग 100000 गाने हैं, लेकिन आज केवल 8000 ही बचे हैं। इन गीतों में कृष्ण के बचपन और उनकी लीलाओं का वर्णन किया गया है। सूरदास अपनी कृष्ण भक्ति के साथ-साथ अपनी प्रसिद्ध रचना सूरसागर के लिए भी जाने जाते हैं। सूरदास की अनेक गद्य कृति है। इसमें सूरदास ने अपने जीवन और अनुभवों का वर्णन किया है। साहित्य लहरी 118 छंदों की एक लघु रचना है। यह सूरदास की एक काव्य रचना है। इसमें नल और दमयंती के प्रेम प्रसंग का वर्णन है। यह सूरदास की अनेक काव्य रचना भगवान कृष्ण के प्रति सच्ची भक्ती को दर्शाता है। इसमें कृष्ण और राधा के प्रेम प्रसंग का वर्णन है। सूरदास एक महान भक्त कवि थे। उन्होंने अपने काव्य में कृष्ण भक्ति की अनूठी भावना का परिचय दिया। सूरदास एक कुशल कवि थे। उन्होंने अपने काव्य में ब्रज भाषा का सुन्दर प्रयोग किया है। सूरदास एक भावुक कवि थे। उन्होंने अपने काव्य में कृष्ण भक्ति के भावपूर्ण रूप को व्यक्त किया है। सूरदास हिन्दी साहित्य के महान कवि थे। उनकी कृतियों ने हिन्दी साहित्य को गौरवान्वित किया है। उनकी कविता का प्रभाव हिन्दी साहित्य के परवर्ती कवियों पर पड़ा। सूरदास की रचनाओं में भगवान श्री कृष्ण की भक्ति की भावना सर्वोपरि है। वह भगवान श्री कृष्ण के परम भक्त थे। उन्होंने अपने काव्य में कृष्ण भक्ति की अनूठी भावना दर्शायी है। उनके काव्य में कृष्ण के प्रति प्रेम, सौन्दर्य और करुणा की भावनाएँ स्पष्ट दिखाई देती हैं। सूरदास एक कुशल कवि थे। उन्होंने अपने काव्य में ब्रज भाषा का सुन्दर प्रयोग किया है। इनमें छंद, अलंकार और रस का सुंदर प्रयोग हुआ है सूरदास की मृत्यु जुलाई 1583 ई. में हुई। वे हिन्दी साहित्य के अमर कवि हैं। उनके काम आज भी लोगों को प्रेरणा देते हैं और लोग उनकी रचनाओं को बड़े चाव से गाते हैं।

(चिंतन-मनन)

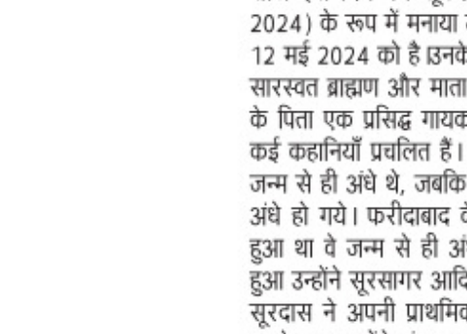

दृष्टि में सब रखें

एक व्यक्ति ने कहा, सर्दी लग रही है। ठिठुर रहा हूं। दूसरे ने कहा, जाओ, कपड़ा ओढ़ लो। वह घर में गया और मलमल की चादर ओढ़ आया। आकर बोला, कपड़ा ओढ़ लिया, फिर भी ठंड लग रही है। उसने कहा, भले आदमी! मैंने कपड़ा ओढ़ने के लिए कहा था। इस ठिठुरन से बचने के लिए कैसा कपड़ा ओढ़ना है, यह विवेक तो तुम्हें होना ही चाहिए। मलमल से ठंड नहीं रूकती। वह रूकती है मोटे कपड़े से, ऊनी कपड़े से। जब तक मोटा कपड़ा या ऊनी कपड़ा नहीं ओढ़ा जाएगा, ठंड रूकेगी नहीं। कहने का अर्थ है कि यही बात देखने के विषय में है। देखना भी चल रहा है और विचार भी चल रहा है, यह नहीं होना चाहिए। देखने में केवल देखना ही चले। यह तभी संभव है जब देखना सघन हो। ठंड का रूकना तभी संभव है जब मोटा कपड़ा ओढ़ा जाए। प्रश्न होता है कि किसे देखें? क्या देखें? अच्छा-बुरा जो भी आए उसे देखें। प्रोध आए तो उसे भी देखो। मान आए तो उसे भी देखो। वास्तव में जो प्रोध को देखता है, वही मान को देखता है। प्रोध हमारी सबसे स्थूल वृत्ति है। यह सबके समक्ष प्रत्यक्ष होती है। मान छिपा रहता है। प्रकट कम होता है। प्रोध तत्काल प्रकट हो जाता है। प्रोध का परिणाम -दुख को देखो। सुख को भी देखो। सुख के स्पंदनों को देखो। दुख के स्पंदनों को देखो। जो भी अच्छा या बुरा है, उसे देखो। श्वास को देखो। शरीर को देखो। समत्व को देखो। तटस्थता को देखो। अनन्यदर्शी को देखो। उसको देखो जहां दूसरा कोई नहीं है। चेतना के उस शुद्ध स्वभाव को देखो जहां जानने-देखने के सिवाय कुछ भी नहीं है। वही परम दर्शन है।

विचार मंथन

युद्ध विराम का श्रेय मोदी या ट्रंप के नाम

(लेखक- सनत जैन)

भारत और पाकिस्तान के बीच लड़ाई निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई थी। उसी बीच युद्ध विराम की खबर आ गई। युद्ध विराम की यह खबर अमेरिका से चलकर भारत पहुंची। भारत ने पुष्टि की। उसके बाद से युद्ध विराम को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं होने लगी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने युद्ध विराम का श्रेय लिया है। सबसे पहले उन्होंने ही युद्ध विराम का संकेत दिया, डोनाल्ड ट्रंप ने मध्यस्थता का भी दावा किया। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा अमेरिका की मध्यस्थता में लंबी बातचीत के बाद भारत और पाकिस्तान तत्काल युद्ध विराम के लिये सहमत हो गए हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा 48 घंटे तक अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी बेंस, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के विदेश मंत्री जयशंकर तथा पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ सेना प्रमुख मुनीर से उपराष्ट्रपति बेंस लगातार बात कर रहे थे। दोनों देश युद्ध विराम और बातचीत के लिए तैयार हो गए हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सीज फायर के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का शुक्रिया अदा किया। पाकिस्तान ने चीन, सऊदी अरब, तुर्की और कतर को भी धन्यवाद दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भारत में युद्ध को लेकर जो छवि बनाई गई थी। इस बार पाकिस्तान के साथ निर्णायक लड़ाई होनी थी। पाक अधिकृत कश्मीर को भारत में शामिल किए जाने के दावे किए जा रहे थे। पाकिस्तान की 4 दिनों में जिस तरह की हालत थी। उसके बाद यह लग रहा था कि भारत जल्द ही पाक अधिकृत कश्मीर को अपने कब्जे में लेगा। वहीं बलूचिस्तान को स्वतंत्र राष्ट्र घोषित करेगा। पाकिस्तान को भारत ऐसा सबक सिखाएगा, जिसको वह कई पीढ़ियों तक नहीं भूल पाएगा। भारत का मीडिया भी इसी तरह की खबरों को लगातार चला रहा था। भाजपा का आईटी सैल भी यही दावा कर रहा था। जैसे ही अमेरिका की मध्यस्थता में भारत ने सीज फायर के लिए सहमति दी। उसके बाद भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जो छवि बनाई गई थी। उसमें समर्थकों को बड़ा धक्का लगा। इतने वर्षों तक जम्मू कश्मीर और पाकिस्तान को लेकर कभी भी भारत ने किसी अन्य देश की मध्यस्थता को स्वीकार नहीं किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीज फायर और मध्यस्ता की बात स्वीकार करने से अभी तक उनकी जो छवि बनी हुई थी। उसमें जबरदस्त नुकसान देखने को मिल रहा है। जैसे ही सीज फायर की घोषणा हुई, उसके बाद नेशनल मीडिया के सभी चैनल और उनके एंकर एकदम से हतप्रभ रह गए। उन्हें सूझ नहीं रहा था, कि अब वह किस तरीके से अपने कार्यक्रम को आगे बढ़ाएं। पहलगाम की घटना के बाद बड़े-बड़े दावे किए जा रहे थे। एक ही झटके में वह हवा हवाई हो गए। कुछ इसी तरह की स्थिति भाजपा आईटी सेल की हो गई। भारत सरकार ने सीज फायर और मध्यस्थता की बात स्वीकार करके सबको हैरान और परेशान कर दिया। सीज फायर के कुछ ही घंटे के बाद पाकिस्तान की ओर से रात में हमले शुरू हो गए। उसको लेकर देश भर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बड़े-बड़े समाचार पत्रों को भी समझ में नहीं आ रहा था, कि वह सीज फायर की खबर को प्रमुखता से ले, या सीज फायर के बाद पाकिस्तान के हमले को प्रमुखता से लें। मीडिया में कई घंटे तक अनिश्चय की स्थिति बनी रही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जो छवि भाजपा आईटी सेल और नेशनल मीडिया ने बनाई थी। युद्ध विराम के बाद उस छवि पर विपरीत असर पड़ा है। भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए अब सबसे बड़ी चुनौती अपनी इमेज को बनाए रखने की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विश्व गुरु की जो छवि है, उसमें आघात लगा है। अमेरिका और चीन के दबाव में जिस तरह से भारत ने सीज फायर के प्रस्ताव को स्वीकार किया। उसके बाद सोशल मीडिया में 1971 का युद्ध, अमेरिका की धमकी, भारत की सेना का शौर्य और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के वीडियो वायरल होने लगे। आम लोगों में यह चर्चा होने लगी है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस समय अमेरिका के दबाव में है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में भारत सरकार ने यह फैसला लिया हैं। अमेरिका ने जब भारत के ऊपर टैरिफ लगाएं, भारत के नागरिकों को हथकड़ी लगाकर भारत वापस भेजा, उसके बाद भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुप रहे। भारत और पाकिस्तान के बीच जिस स्थिति में युद्ध विराम हुआ है। उसके बाद आम जनों के बीच निराशा देखने को मिल रही है।

पहला कॉलम

जेडी वेंस से बोले पीएम मोदी- घुसकर मारेंगे पाकिस्तान को और किसी की मध्यस्थता नहीं चाहिए

नई दिल्ली।

भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया संघर्ष के बाद भले ही सीजफायर की घोषणा हो गई हो, लेकिन भारत ने इस बार कड़ा रुख अपनाया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ बातचीत में स्पष्ट कर दिया कि भारत अब किसी मध्यस्थता को स्वीकार नहीं करेगा और जरूरत पड़ी तो पाकिस्तान के खिलाफ निर्णायक कदम उठाएगा। सूत्रों के मुताबिक, पीएम मोदी ने अमेरिकी पक्ष को स्पष्ट शब्दों में बताया कि अगर पाकिस्तान कुछ करता है, तो जवाब और भी कठोर और विनाशकारी होगा। उन्होंने कहा कि भारत अपनी मर्जी से कार्रवाई करता है और अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगा। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर में उनकी मध्यस्थता की भूमिका रही है। हालांकि, भारत ने इस दावे को पूरी तरह खारिज करते हुए कहा कि सीजफायर की अपील पाकिस्तान ने खुद की थी, और भारत ने इसे रणनीतिक तौर पर स्वीकार किया। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि कश्मीर पर हमारी स्थिति स्पष्ट है - अब केवल एक ही मुद्दा है, और वह है पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को वापस लेना। उन्होंने यह भी दोहराया कि भारत को किसी मध्यस्थ की जरूरत नहीं है और सुरक्षा नीति अब स्पष्ट और आक्रामक रूप ले चुकी है। उन्होंने किहा कि वहां से अगर गोली चलेगी, तो यहां से गोला चलेगा, यह कथन अब भारत की नई नीति का हिस्सा बन गया है। सूत्रों का कहना है कि भारत के हवाई हमलों के बाद पाकिस्तान को यह स्पष्ट संदेश मिल गया है कि वह इस सैन्य क्षमता वाली लीग में शामिल नहीं है।

सेना की जानकारी पाकिस्तान भेज रहे दो जासूस दबोचे गए, पंजाब पुलिस ने दिल्ली से किया गिरफ्तार

नई दिल्ली।

पंजाब पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए भारत की सेना से जुड़ी संवेदनशील जानकारी पाकिस्तान को भेजने के आरोप में दो जासूसों को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। यह दोनों नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान हाई कमीशन में तैनात एक अधिकारी के संपर्क में थे और कथित रूप से पैसों के बदले पाकिस्तान में बैठे हैंडलरों को जानकारी भेज रहे थे। पंजाब पुलिस के मलेरकोटला थाने ने पहले एक आरोपी को दबोचा था, जिसकी पूछताछ के बाद दूसरे आरोपी की गिरफ्तारी हुई। दोनों आरोपियों के कब्जे से दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं और उनके खिलाफ आधिकारिक एफआईआर दर्ज की गई है। पंजाब पुलिस के डीजीपी ने बताया कि यह गिरोह सेना की गतिविधियों, विशेषकर मूवमेंट से जुड़ी सूचनाएं पाकिस्तान को पहुंचा रहा था। पुलिस ने इसे जासूसी नेटवर्क को ध्वस्त करने की अहम सफलता बताया है। उन्होंने कहा कि अब इस नेटवर्क के वित्तीय लेन-देन, अन्य सहयोगियों और विदेशी संपर्कों की पहचान पर फोकस किया जाएगा। डीजीपी ने कहा कि पंजाब पुलिस देश की संप्रभुता और सुरक्षा की रक्षा के लिए पूरी तरह सजग और प्रतिबद्ध है, और ऐसे किसी भी नेटवर्क को पनपने नहीं देगी।

वहां से गोली चलेगी तो यहां से गोला चलेगा

पाकिस्तान की कायराना हरकत के बाद भारत का पाकिस्तान को कड़ा संदेश-ऑपरेशन सिंदूर खत्म नहीं हुआ

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री मोदी ने तीनों सेनाओं और सुरक्षा बलों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि वहां से गोली चलेगी, यहां से गोला चलेगा। यानी अब भारत रक्षात्मक नहीं रहेगा, बल्कि आक्रामक नीति अपनाएगा। सूत्रों ने यह भी कहा कि पाकिस्तान को यह समझना होगा कि अब पुराने तरीके से काम नहीं चलेगा। सूत्रों के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से साफ कहा था कि अगर पाकिस्तान कुछ करता है तो जवाब और भी विनाशकारी और कड़ा होगा। उसी रात पाकिस्तान ने 26 ठिकानों पर हमला किया और भारत ने इस पर जोरदार जवाबी कार्रवाई की। भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के बीच सरकारी सूत्रों ने साफ कर दिया है कि ऑपरेशन सिंदूर अब भी जारी है। यह कोई एक दिन की कार्रवाई नहीं थी, बल्कि अब इसे भारत-पाक रिश्तों का नया दौर कहा जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, यह स्थिति अब स्थायी रूप से बनी रहेगी और दुनिया को इसे न्यू नॉर्मल की तरह स्वीकार करना होगा।

सूत्रों का कहना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच कोई राजनयिक वार्ता फिलहाल नहीं हो रही है। सिर्फ दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों डायरेक्टर जनरल्स ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन्स (डीजीएमओ) के बीच संपर्क हुआ है ताकि सीमा पर स्थिति को संभाला जा सके। इसके साथ ही भारत का संदेश बिल्कुल साफ है- अब अगर पाकिस्तान गोली चलाएगा, तो भारत दोगुनी ताकत से जवाब देगा। और जब तक पीओके का मुद्दा हल नहीं होता, तब तक कोई भी बातचीत, मेल-मिलाप या समझौता संभव नहीं है।

हमें किसी की मध्यस्थता की जरूरत नहीं

भारत ने साफ किया आतंकियों को सौंपने के अलावा हम किसी अन्य मुद्दे पर बात नहीं करेंगे।

कश्मीर पर हमारी स्थिति बहुत स्पष्ट है, अब केवल एक ही मुद्दा बचा है- पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को वापस करना। इसके अलावा और कोई बात नहीं है। अगर वे

आतंकवादियों को सौंपने की बात करते हैं, तो हम बात कर सकते हैं।

मेरा किसी और विषय पर कोई इरादा नहीं है। हम नहीं चाहते कि कोई मध्यस्थता करे। हमें किसी की मध्यस्थता की जरूरत नहीं है।

रावलपिंडी तक भारतीय सेना की धमक पाकिस्तान में घुसकर मारा ऑपरेशन सिंदूर पर बोले रक्षामंत्री राजनाथ सिंह

नई दिल्ली।

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने (6-7 मई) की रात ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया, जिसके तहत पाकिस्तान में घुसकर नौ आतंकी ठिकानों को पूरी तरह तबाह कर दिया गया। इस हमले में 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए। ऑपरेशन सिंदूर पर अब रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने बड़ा बयान दिया है। लखनऊ में ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन और टेस्टिंग फैसिलिटी के उद्घाटन के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारतीय सेना ने आतंकियों को जवाब दिया। इस ऑपरेशन को अंजाम देकर हमने दिखाया कि भारत आतंक के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है। रक्षामंत्री ने आगे कहा, ऑपरेशन सिंदूर को पाकिस्तान में आतंक को खत्म करने के लिए लॉन्च किया गया था। भारतीय सेना ने पाकिस्तान में सिर्फ आतंकियों को निशाना बनाया, लेकिन पाकिस्तानी सेना ने आम नागरिकों को निशाना बनाया। इसके अलावा पाक सेना ने मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा और गिरजाघर को निशाना बनाया। राजनाथ सिंह ने आगे कहा भारतीय सेना ने शौर्य और पराक्रम के साथ-साथ संयम का भी परिचय देते हुए पाकिस्तान के अनेक सैन्य ठिकानों पर प्रहार करके करारा जवाब दिया है। हमने केवल सीमा से सटे सैन्य ठिकानों पर ही नहीं कार्रवाई की बल्कि भारत की सेनाओं की धमक उस रावलपिंडी तक सुनी गई जहां पाकिस्तानी फौज का हेडक्वार्टर मौजूद है। रक्षामंत्री ने कहा, भारत में आतंकवादी घटनाएं करने और कराने का क्या अंजाम होता है, यह पूरे विश्व ने उरी की घटना के बाद देखा जब हमारी सेना ने पाकिस्तान में घुस कर सर्जिकल स्ट्राइक की, पुलवामा के बाद देखा जब बालाकोट पर एयर स्ट्राइक की गई और अब

पहलगाम की घटना के बाद दुनिया देख रही है जब भारत ने पाकिस्तान के भीतर घुस कर मल्टीपल स्ट्राइक्स की हैं। उन्होंने आगे कहा आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलते हुए हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कर दिया है कि यह नया भारत है जो आतंकवाद के खिलाफ सरहद के इस पार और उस पार दोनों तरफ प्रभावी कार्रवाई करेगा।

पाक के एयर वाइस मार्शल ने कबूला जुर्म; आतंकी अटैक पर खुद खोली पोल

पुलवामा हमले में पाकिस्तान का ही था हाथ

नई दिल्ली।

पाकिस्तान और भारत के बीच सीजफायर को लेकर सहमति तो बन गई, लेकिन पाकिस्तान अपनी हार मानने को तैयार नहीं है। इस बीच पाकिस्तान के एयर वाइस मार्शल औरंगजेब अहमद ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुलवामा हमले पर बात की।

एयर चीफ ने बातों ही बातों में पुलवामा हमले को लेकर पाकिस्तान की पोल खोल दी। पाकिस्तान के एयर वाइस मार्शल औरंगजेब अहमद ने पुलवामा हमले को रणनीतिक चतुराई बताया है। उनकी इस बयान का फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पाकिस्तानी वायु सेना के शीर्ष अधिकारी ने सीजफायर के बाद पाक में चल रही प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ये बयान दिया

है।

अगर पाकिस्तान की जमीन को खतरा है तो...

पाकिस्तान वायु सेना के जनसंपर्क महानिदेशक अहमद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में आगे कहा, अगर पाकिस्तान की जमीन, आसमान या पानी को खतरा है, तो कोई समझौता नहीं होगा... हमने पुलवामा में अपनी प्रतिभा से यह संदेश देने की कोशिश की और अब हमने अपनी रणनीतिक कुशलता भी दिखा दी है। बता दें कि इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में विदेशी पत्रकार भी शामिल थे। बता दें 2019 के पुलवामा आतंकी हमले में 40 भारतीय अर्धसैनिक बल के जवान मारे गए थे, जब पाकिस्तान समर्थित जैश-ए-मोहम्मद के आत्मघाती हमलावर ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के काफिले को निशाना बनाया था। भारत ने पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में स्थित जैश-ए-मोहम्मद के प्रशिक्षण शिविर को निशाना बनाकर बालाकोट हवाई हमले से जवाब दिया था।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी को चिट्ठी लिख की मांग

संसद का विशेष सत्र बुलाए सरकार

नई दिल्ली। भारत-पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव को खत्म करने के लिए 10 मई की शाम सीजफायर की घोषणा की गई। इसके बाद भी बॉर्डर से सटे कई इलाकों में पाकिस्तान की ओर से ड्रोन हमला किया जा रहा है। इसी बीच विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानंत्री नरेंद्र मोदी से संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की है। विपक्ष की ओर से संसद का विशेष सत्र बुलाने को लेकर राहुल गांधी ने पीएम मोदी को एक चिट्ठी लिखी है। उन्होंने लिखा है कि भारत के प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी, मैं विपक्ष के सर्वसम्मति से किए गए अनुरोध को दोहराता हूं कि संसद का विशेष सत्र तुरंत बुलाया जाए।

पिछले सारे घटनाक्रम पर सामूहिक चर्चा जरूरी

चिट्ठी में राहुल ने आगे लिखा है कि लोगों और उनके प्रतिनिधियों के लिए पहलगाम आतंकी हमले, ऑपरेशन सिंदूर और आज के युद्ध विराम पर चर्चा करना बहुत जरूरी है, जिसकी घोषणा सबसे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने की थी। यह आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए हमारे सामूहिक संकल्प को प्रदर्शित करने का भी एक अवसर होगा।

ऑपरेशन अभी भी जारी है

भारत-पाक सीजफायर के बीच वायुसेना का बड़ा बयान

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया संघर्ष और अमेरिका की मध्यस्थता से हुए युद्धविराम के बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर भारतीय वायु सेना का आधिकारिक बयान सामने आया है। वायु सेना ने स्पष्ट किया है कि यह ऑपरेशन अभी जारी है और इसे पूरी सटीकता, गोपनीयता और राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखकर अंजाम दिया जा रहा है। रविवार को भारतीय वायु सेना ने अपने आधिकारिक एक्स (पूर्व ट्विटर) हैंडल पर पोस्ट करते हुए कहा, भारतीय वायु सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर' में अपने कार्यों को सटीक और पेशेवर ढंग से सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। ऑपरेशन को राष्ट्रीय उद्देश्यों के अनुसार सोच-समझकर और गोपनीय तरीके से संचालित किया गया है। चूंकि ऑपरेशन अभी जारी है, इसलिए विस्तृत जानकारी उपयुक्त समय पर साझा की जाएगी।

अफवाहों, अटकलों और असत्यापित सूचनाओं से बचें

वायुसेना ने जनता से अपील की कि अफवाहों, अटकलों और असत्यापित सूचनाओं से बचें। बयान में कहा गया, भारतीय वायु सेना सभी से अनुरोध करती है कि वे अटकलों और असत्यापित जानकारी के प्रसार से बचें।

ट्रंप की मध्यस्थता से युद्धविराम, लेकिन विश्वास की कमी

गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को घोषणा की थी कि भारत और पाकिस्तान तीन दिनों से जारी संघर्ष पर पूर्ण युद्धविराम के लिए सहमत हो गए हैं। यह सहमति अमेरिका की मध्यस्थता से बनी है। हालांकि, यह युद्धविराम ज्यादा देर टिक नहीं पाया।

पाकिस्तान ने देर रात किया सीजफायर का उल्लंघन

भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने शनिवार देर रात जानकारी दी कि पाकिस्तान ने इस युद्धविराम का गंभीर उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा, पाकिस्तान की ओर से यह कार्रवाई अत्यंत निंदनीय है और इसकी पूरी जिम्मेदारी पाकिस्तान पर है। मिस्री ने यह भी स्पष्ट किया कि भारतीय सेना को सख्त जवाबी कार्रवाई के आदेश दे दिए गए हैं और वह सीमा पर हो रहे अतिक्रमण को रोकने में जुटी है।

आतंक के खिलाफ सख्त नीति

भारत सरकार ने भी संकेत दिए हैं कि वह अब आतंकवाद को लेकर किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरतेगी। शीर्ष सरकारी सूत्रों के मुताबिक, भविष्य में भारत के खिलाफ होने वाली किसी भी आतंकी घटना को 'युद्ध की कार्रवाई' माना जाएगा और उसका जवाब भी उसी स्तर पर दिया जाएगा। 'ऑपरेशन सिंदूर' भले ही युद्धविराम की घोषणा के बीच जारी हो, लेकिन वायुसेना का बयान यह साफ करता है कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों से कोई समझौता नहीं करेगा। ऐसे समय में जब सीमा पर हालात तनावपूर्ण हैं, भारतीय वायु सेना की यह अपील बेहद अहम है कि लोग सोशल मीडिया पर अटकलें लगाने से बचें और सिर्फ आधिकारिक सूत्रों से ही जानकारी लें।

अमरनाथ यात्रा 2025 के लिए यात्रियों का उत्साह और आत्मविश्वास

यमुनानगर।

हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले और फिर पाकिस्तान व भारत के बीच बढ़े तनाव व हमलों के बावजूद अमरनाथ यात्रा के लिए श्रद्धालुओं का उत्साह और विश्वास बरकरार है। यात्रा पर जाने के इच्छुक यात्री आतंकवादियों की किसी भी हरकत से डरने के बजाय पूरे जोश और आत्मविश्वास के साथ यात्रा की तैयारी कर रहे हैं। उनका मानना है कि भारतीय सेना आतंकवादियों का खात्मा करेगी और अमरनाथ यात्रा में कोई विघ्न नहीं आएगा। यात्रियों का कहना है कि आतंकियों की करतूतों का भारतीय सेना करारा जवाब देगी। यमुनानगर से लगभग 400 श्रद्धालुओं ने अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण कराया है, और अधिकांश ने पहलगाम मार्ग से यात्रा के लिए पंजीकरण किया है। यात्री उम्मीद करते हैं कि यात्रा के दौरान पूरी सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी और कोई भी आतंकवादी हरकत उनकी यात्रा में विघ्न नहीं डालेगी।

यात्रा की तारीख

अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होकर 9 अगस्त तक चलेगी और कुल 37 दिन चलेगी। यह यात्रा भारतीय हिंदू धर्म के लिए बेहद महत्व रखती है, खासकर उस दिन (श्रावण पूर्णिमा) जब भगवान शिव ने इस गुफा में प्रवेश किया था। इस दिन को लेकर

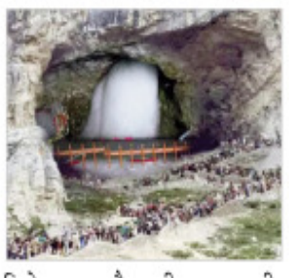

विशेष पूजा और छड़ी मुबारक की परंपरा है।

अयोध्या से लेकर बाबा बर्फानी तक

यात्रियों के विश्वास और जोश से यह स्पष्ट है कि अमरनाथ यात्रा 2025 की तैयारियों में किसी भी तरह की कोई कमी नहीं आएगी। शांति और सुरक्षा का हर स्तर सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि इस श्रद्धालु यात्रा को सफलतापूर्वक और बिना किसी विघ्न के पूरा किया जा सके।

ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी पाकिस्तान से सीजफायर के बीच भारतीय वायुसेना का बड़ा बयान

नई दिल्ली।

पाकिस्तान से सीजफायर के बाद भारतीय वायु सेना ने बड़ी जानकारी दी है। सेना ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी जारी है। भारतीय वायु सेना ने कहा कि हमने इस ऑपरेशन के लक्ष्य को पूरा किया है और इसके बारे में डिटेल में जानकारी दी जाएगी। बयान में कहा गया है भारतीय वायुसेना भारतीय वायु सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत सौंपे गए सभी काम सटीकता और जिम्मेदारी के साथ सफलतापूर्वक पूरे किए हैं। यह अभियान सोच-समझकर और सावधानी से चलाया गया, जो देश के हितों के अनुसार था। चूंकि यह अभियान अभी जारी है, इसलिए इसकी पूरी जानकारी जल्द ही दी जाएगी। वायुसेना ने लोगों से अपील की है कि अफवाहों से बचें और बिना पुष्टि की जानकारी न फैलाएं। शनिवार (10 मई, 2025) की शाम को विदेश मंत्रालय ने बताया कि पाकिस्तान की अपील पर दोनों देशों के बीच सीजफायर लागू कर दिया गया है। हालांकि, इसके बावजूद पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन किया और जम्मू कश्मीर समेत कई जगहों पर ड्रोन और मिसाइलें दागीं। पाकिस्तान की तरफ से इस करतूत का भारत ने भी मुंहतोड़ जवाब दिया और सारी मिसाइलों और ड्रोन को मार गिराया। रात करीब 10 बजे के बाद पाकिस्तान की तरफ से कोई मूवमेंट नहीं दिखी। दोनों देशों में सीजफायर की जानकारी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट के जरिए दी। उन्होंने लिखा कि दोनों देशों ने आपसी सहमति से ये समझौता किया है और मुझे खुशी है कि अमेरिका ने दोनों देशों के बीच तनाव कम करने का काम किया है। इसके बाद अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर की जानकारी दी। वहीं, भारत के विदेश मंत्री एस। जयशंकर ने अपने एक ट्वीट में

कहा कि भारत और पाकिस्तान ने आज गोलाबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनाई है। भारत ने आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के खिलाफ लगातार दृढ़ और अडिग रुख अपनाया है। वह ऐसा करना जारी रखेगा।

एक हफ्ते में 2,400 रुपए से अधिक महंगा हुआ सोना, चांदी में भी रही तेजी

नई दिल्ली।

सोने और चांदी की कीमतों में तेजी का सिलसिला जारी है। बीते एक हफ्ते में 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत में 2,400 रुपए और चांदी की कीमत में 1,600 रुपए प्रति किलो से अधिक की बढ़ोतरी देखने को मिली है। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट के सोने की कीमत बढ़कर 96,416 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि 3 मई को 93,954 रुपए प्रति 10 ग्राम थी, जो सोने के दाम में 2,462 रुपए की वृद्धि को दिखाता है। 22 कैरेट के सोने का भाव बढ़कर 94,100 रुपए प्रति 10 ग्राम, 20 कैरेट के सोने की कीमत बढ़कर 85,810 रुपए प्रति 10 ग्राम और 18 कैरेट के सोने का दाम बढ़कर 78,100 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। इसके अतिरिक्त चांदी की कीमतों में भी 1,601 रुपए प्रति किलो की बढ़ोतरी देखने को मिली है। एक किलो चांदी का दाम बढ़कर 95,726 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि 3 मई को 94,125 रुपए प्रति किलो पर था। घरेलू के साथ अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी की कीमतों में इजाफा देखने को मिला है। सोने की कीमत बढ़कर 3,344 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई है, जो कि इस हफ्ते की शुरुआत में 3,246 डॉलर प्रति औंस पर थी। वहीं, इस दौरान चांदी की कीमत 32.20 डॉलर प्रति औंस से बढ़कर 32.90 डॉलर प्रति औंस हो गई है। सोने और चांदी की कीमत में इस साल की शुरुआत से ही तेजी का ट्रेंड देखा जा रहा है। एक जनवरी से अब तक 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने का भाव 76,162 रुपए से 20,254 रुपए या 26.59 प्रतिशत बढ़कर 96,416 रुपए हो गया है। इस दौरान चांदी की कीमत 86,017 रुपए प्रति किलो से 9,709 रुपए या 11.28 प्रतिशत बढ़कर 95,726 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई है।

खाद निर्माता कंपनी कोरमंडल हर शेयर पर देगी 9 रुपए का डिविडेंड

नई दिल्ली।

खाद उत्पादक कंपनी कोरमंडल ने मार्च 2025 में समाप्त तिमाही और पूरे वित्त वर्ष के नतीजे जारी किए हैं। कंपनी का प्रदर्शन इस साल काफी अच्छा रहा है। मार्च तिमाही में कंपनी का राजस्व 5,114 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल की समान तिमाही के 3,996 करोड़ रुपये से काफी ज्यादा है। इसी तरह मुनाफा भी 164 करोड़ से बढ़कर 578 करोड़ रुपये हो गया है। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का कुल राजस्व 24,444 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले साल यह 22,290 करोड़ रुपये था। कंपनी का नेट प्रॉफिट भी 1,641 करोड़ से बढ़कर 2,055 करोड़ रुपये हो गया है। बेहतर प्रदर्शन को देखते हुए कोरमंडल इंटरनेशनल ने अपने शेयरधारकों के लिए प्रति शेयर 9 रुपये डिविडेंड देने की घोषणा की है। इसमें से 6 रुपये अंतिम लाभांश और 3 रुपये विशेष लाभांश के रूप में दिया जाएगा। यह लाभांश 1 रुपये फेस वैल्यू वाले शेयर पर 900 फीसदी के बराबर है। इससे पहले फरवरी में कंपनी ने 6 रुपये का अंतरिम लाभांश भी दिया था।

पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली।

भारतीय पेट्रोलियम कंपनियों ने रे विवार को सुबह 6 बजे ईंधन के नए दाम जारी कर दिए हैं। जारी रेट के अनुसार रे विवार को भी पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। हालांकि कच्चे तेल की बात करें तो अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें 65-78 डॉलर प्रति बैरल, जो कि पिछले दिनों के मुकाबले कम है। दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपए लीटर, डीजल 87.67 रुपए लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.50 रुपए लीटर, डीजल 90.03 रुपए टर, कोलकाता में पेट्रोल 105.01 रुपए लीटर, डीजल 91.82 रुपए लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.80 रुपए लीटर, डीजल 92.39 रुपए लीटर, नोएडा में पेट्रोल 94.87 रुपए लीटर, डीजल 88.14 रुपए लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 102.92 रुपए लीटर, डीजल 88.99 रुपए लीटर व अन्य शहरों में भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं देखा गया है।

रवि इंफ्राबिल्ड प्रोजेक्ट्स लि. जल्द करेगी आईपीओ लॉन्च, सेबी से हरी झंडी का इंतजार

नई दिल्ली।

रवि इंफ्राबिल्ड प्रोजेक्ट्स लिमिटेड ने आईपीओ लॉन्च करने की योजना बनाई है। रवि इंफ्राबिल्ड प्रोजेक्ट्स लिमिटेड 1100 करोड़ रुपए तक फंड जुटाने की तैयारी में है। इसके लिए कंपनी ने सेबी के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) जमा कर दिया है। इस आईपीओ में पूरी तरह से इक्विटी शेयरों का नया इश्यू शामिल किया जाएगा, जिसमें बिक्री के लिए कोई ऑफर नहीं होगा। इसका उद्देश्य कंपनी के विस्तार और वित्तीय रणनीतियों का समर्थन करना है। कंपनी 220 करोड़ के प्री-आईपीओ प्लेसमेंट पर विचार कर सकती है। यदि ऐसा किया गया तो इश्यू का आकार उसी अनुपात में कम हो जाएगा।आईपीओ से प्राप्त कमाई को अलग-अलग मोर्चे पर खर्च किया जाएगा। इसमें से 251 करोड़ रुपए की रकम का इस्तेमाल नए निर्माण उपकरणों की खरीद के लिए किया जाएगा। इससे कंपनी की परिचालन क्षमताएं मजबूत होंगी। इसके अतिरिक्त 334 करोड़ रुपए कंपनी की सहायक कंपनियों को मौजूदा उधारों के री-पेमेंट में सहायता के लिए दिए जाएंगे। कुछ कर्ज को चुकाने के लिए 289 करोड़ आवंटित किए गए हैं, जिससे वित्तीय स्थिरता में सुधार तय होगा। आईपीओ का प्रबंधन मोतीलाल ओसवाल इन्वेस्टमेंट एडवाइजर्स लिमिटेड और एक्सिस कैपिटल लिमिटेड द्वारा किया जाता है। रवि इंफ्राबिल्ड प्रोजेक्ट्स लिमिटेड 26 फरवरी, 2009 को वजूद में आया था।

पहले इस कंपनी का नाम रवि इंफ्राबिल्ड प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड था। इसके कई साल बाद कंपनी 2023 में रवि इंफ्राबिल्ड प्रोजेक्ट्स लिमिटेड बन गई। इस कंपनी ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय और राष्ट्रीय राजमार्ग रसद प्रबंधन लिमिटेड के साथ सात पूरी हो चुकी परियोजनाओं और 10 चालू परियोजनाओं के साथ शुरुआत की थी।

चालू वित्त वर्ष में भी दोपहिया वाहनों की बिक्री में रहेगी तेजी: टीवीएस मोटर

वित्त वर्ष 2024-25 में दोपहिया वाहनों का पंजीकरण बढ़कर 1,88,77,812 इकाई हुआ

नई दिल्ली।

टीवीएस मोटर कंपनी के सीईओ ने कहा है कि आयकर में छूट, बुनियादी ढांचे पर खर्च में वृद्धि और सामान्य मानसून की उम्मीदों से घरेलू दोपहिया वाहन उद्योग में चालू वित्त वर्ष में भी वृद्धि की रफ्तार कायम रहने की उम्मीद है। कुल मिलाकर वित्त वर्ष 2024-25 में दोपहिया वाहनों का पंजीकरण आठ प्रतिशत बढ़कर 1,88,77,812 इकाई हो गया, जबकि 2023-24 में यह 1,75,27,115 इकाई था। कंपनी अ धिकारी ने विश्लेषकों से बातचीत में कहा कि हमें उम्मीद है कि घरेलू बाजार में कुल मिलाकर वृद्धि की गति पिछले साल की तरह ही रहेगी। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष की पहली तिमाही बिक्री के मामले में मध्यम हो सकती है, लेकिन मई और जून में बिक्री मजबूत रहने की उम्मीद है, क्योंकि दोनों माह के दौरान कई शादी-विवाह के दिन हैं। वित्त वर्ष 2025-26 में देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर लगभग 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि यह मुख्य रूप से खपत में वृद्धि और कृषि क्षेत्र में सुधार से प्रेरित है। पिछले तीन महीनों में नीतिगत दर रेपो में 0.50 प्रतिशत की कमी से उपभोक्ताओं के लिए मासिक किस्त (ईएमआई) कम हुई है। इससे व्यापक आधार पर दोपहिया खरीदना आसाना होगा। बीते वित्त वर्ष 2024-25 में टीवीएस मोटर कंपनी की कुल दोपहिया और तिपहिया वाहन बिक्री 13 प्रतिशत बढ़कर 47.44 लाख इकाई रही, जबकि 2023-24 में यह 41.91 लाख इकाई थी।

शेयर बाजार में इस हफ्ते 14 कंपनियां एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेंगी

लिस्ट में एसबीआई जैसे दिग्गज शेयर भी शामिल

नई दिल्ली। शेयर बाजार में एक्स-डिविडेंड ट्रेड करने वाली 14 कंपनियां, इस हफ्ते नजर आ रही हैं। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और पीएसयू स्टॉक बीईएमएल भी इस सूची में शामिल हैं। 13 मई को आईअरबी इनविट फंड, आईएफजीएल रेफ्रैक्टरिज लिमिटेड, और गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड डिविडेंड जारी करने का फैसला लिए हैं। 14 मई को आर सिस्टम्स इंटरनेशनल लिमिटेड, फेस्को इंडिया लिमिटेड, और बीएसई लिमिटेड भी एक्स-डिविडेंड ट्रेड करेंगी। आर सिस्टम्स इंटरनेशनल लिमिटेड इन्वेस्टर्स को 6 रुपये का डिविडेंड देगी, जबकि फेस्को इंडिया लिमिटेड 25 रुपये का वितरण करेगी। 15 मई को, ग्रेट ईस्टर्न शिपिंग कंपनी लिमिटेड, मण्णापुरम् फाइनेंस कंपनी लिमिटेड, और पीएसयू कंपनी बीईएमल डिविडेंड देने के लिए तैयार होंगी। आने वाले 16 मई को नर्मदा मेमकप्लास्ट ड्रिप इरीगेशन सिस्टम लिमिटेड, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और इंडियान इनर्जी लिमिटेड भी अपने निवेशकों को डिविडेंड सुविधा प्रदान करेंगी। इस हफ्ते के शुरुआती दिनों में, शेयर बाजार में एक्स-डिविडेंड ट्रेड करने वाली ये कंपनियां निवेशकों को नए वितरण के अवसर प्रदान करेंगी।

इस सप्ताह महंगाई के आंकड़ों पर रहेगी शेयर बाजार की नजर

थोक महंगाई जैसे महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़े भी इस सप्ताह अहम भूमिका निभाएंगे

मुंबई।

भारत और पाकिस्तान तनाव से सहमे निवेशकों की बिकवाली के दबाव की वजह से बीते सप्ताह लगभग डेढ़ प्रतिशत तक लुढ़के घरेलू शेयर बाजार की इस सप्ताह अप्रैल के जारी होने वाली थोक और खुदरा महंगाई के आंकड़े पर नजर रहेगी। बाजार विश्लेषकों के अनुसार भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया तनाव के बावजूद घरेलू शेयर बाजारों में निवेशकों की धारणा पर इसका सीमित प्रभाव देखने को मिला है। इस वर्ष अप्रैल में निरंतर विदेशी संस्थागत निवेश (एफआईआई) और रिकॉर्ड वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह ने भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती का संकेत दिया, जिससे बाजारों में स्थिरता बनी रही। कमजोर अमेरिकी डॉलर और स्थिर कच्चे तेल की कीमतों ने विदेशी निवेशकों का भरोसा और मजबूत किया है। भारत-ब्रिटेन के बीच संभावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की सकारात्मक चर्चा ने विशेष रूप से कपड़ा, ऑटोमोबाइल और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में तेजी को समर्थन दिया। वैश्विक स्तर पर भी संकेत उत्साहवर्धक रहे हैं। अमेरिका की फेडरल रिजर्व ओपेन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की नीतिगत बैठक के सतर्क रुख के बावजूद अमेरिका और चीन व्यापार वार्ता की संभावित बहाली तथा अमेरिका और ब्रिटेन व्यापार समझौते को लेकर आशावाद ने

वैश्विक बाजारों को सहारा दिया। इसके साथ ही पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना द्वारा ब्याज दरों में कटौती के फैसले ने क्षेत्रीय बाजारों में सकारात्मक रुख को बढ़ावा दिया, जिससे निवेशकों का विश्वास और मजबूत हुआ। बाजार की इस सप्ताह दिशा निर्धारित करने में घरेलू स्तर पर उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई और थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित थोक महंगाई जैसे महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़े अहम भूमिका निभाएंगे। विशेषज्ञों का कहना है कि मुद्रास्फीति के दबाव में कुछ नरमी देखने को मिल सकती है।

हालांकि, भारत-पाकिस्तान के बीच जारी भू-राजनीतिक तनाव एक महत्वपूर्ण जोखिम बना हुआ है। बावजूद इसके बाजार को उम्मीद है कि भारत की कूटनीतिक, आर्थिक और सैन्य शक्ति इस संकट को जल्द सुलझा लेगी।

जानिए, लग्जरी कारों की कीमतें क्यों होती है आम आदमी की पहुंच से दूर

नई दिल्ली।

जो लग्जरी कार अमेरिका या दुबई में औसत कमाई वाले लोग भी खरीद सकते हैं, वही कार भारत में करोड़ों रुपये की कैसे बन जाती है। इसका जवाब टैरिफ और टैक्स की जटिल व्यवस्था में छिपा है। उदाहरण के तौर पर, दुबई में महज 30 लाख रुपये में मिलने वाली एसयूवी भारत में पहुंचते-पहुंचते करीब 2 करोड़ रुपये की हो जाती है। ऐसा ही अंतर बीएमडब्ल्यू एक्स5 और रेंज रोवर जैसी कारों में भी देखने को मिलता है। इनवेस्टमेंट बैंकर सार्थक आहुजा के मुताबिक, रेंज रोवर जो अमेरिका में सिर्फ 80 लाख रुपये में मिलती है, वह भारत में 2 करोड़ रुपये में बिकती है। इसी तरह, फार्च्यूनर जो भारत में करीब 50 लाख की है, वह दुबई में केवल 35 लाख रुपये में मिल जाती है। इस भारी अंतर की सबसे बड़ी वजह है भारत में लागू टैरिफ यानी आयात शुल्क। सरकार लग्जरी गाड़ियों पर 60 से 100 फीसदी तक का इंपोर्ट ड्यूटी वसूलती है। इसके अलावा 28 फीसदी वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लगाया जाता है और उस पर भी अलग से सेस जोड़ा जाता है। यही नहीं, इन सभी टैक्स के अलावा रोड टैक्स और रजिस्ट्रेशन फीस जैसे राज्य-स्तरीय शुल्क भी उपभोक्ता को चुकाने होते हैं। कुल मिलाकर, किसी इम्पोर्टेड कार की मूल कीमत का लगभग 45 से 50 फीसदी केवल टैक्स और शुल्क में चला जाता है। इसके उलट, दुबई जैसे देशों में इंपोर्ट ड्यूटी और टैक्स काफी कम

होते हैं, जिससे वही कार वहां बहुत सस्ती मिल जाती है। इसका एक दूसरा पहलू यह भी है कि भारत में बनी टाटा, मारुति और महिंद्रा जैसी कंपनियों की गाड़ियां अपेक्षाकृत सस्ती होती हैं क्योंकि इनका निर्माण यहीं होता है और इन पर आयात शुल्क लागू नहीं होता। यही कारण है कि स्थानीय निर्माण से ग्राहकों को कम कीमत का लाभ मिल जाता है। लेकिन जैसे ही ये गाड़ियां विदेश जाती हैं, वहीं की टैक्स व्यवस्था इन्हें महंगी बना देती है।

भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते से लक्जरी कार कीमतों पर असर नहीं: कंपनियां

समझौते के तहत 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शुल्क कम होगा

नई दिल्ली।

मर्सिडीज-बेंज इंडिया और बीएमडब्ल्यू ने भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के सकारात्मक पहल की घोषणा की है। इस समझौते के तहत 99 प्रतिशत भारतीय निर्यात पर शुल्क कम होगा, जिससे भारत में भारतीय उत्पादों का आयात आसान हो जाएगा। समझौते का उद्देश्य है व्यापार को दोगुना कर 2030 तक 120 अरब डॉलर पहुंचाना। मर्सिडीज-बेंज इंडिया के सीईओ ने इस समझौते का स्वागत किया और बताया कि इससे कारों की कीमतों पर असर नहीं पड़ेगा। व्यापार समझौते के तहत भारतीय उत्पादों को विदेश में पहुंचाने की सुविधा मिलेगी। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के एक वे रिष्ठ अ धिकारी ने भी इस समझौते की महत्वता बताई और व्यापार को बढ़ावा देने का समर्थन किया। इसके अलावा ये समझौते साथ ही भारतीय उद्योगों के संरक्षण और वाहन क्षेत्र में आयात शुल्क को कम करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम हैं। इससे भारत के अंतरराष्ट्रीय व्यापार में वृद्धि की उम्मीद है और अगले समय में उत्पादों की कीमतों में भी कटौती की जा सकती है। उन्होंने कहा` कि भारत-ब्रिटेन एफटीए एक ऐतिहासिक करार प्रतीत होता है, जिसमें वस्तुएं, सेवाएं और परिवहन शामिल हैं और यह विकसित भारत के व्यापक दृष्टिकोण में योगदान देगा।

अपस्ट्रीम ऑयल सेक्टर में गैस उत्सर्जन की जांच के लिए नियम को सख्त करने जा रही सरकार

अपस्ट्रीम ऑयल सेक्टर में गैस उत्सर्जन की जांच के लिए नियम को सख्त करने जा रही सरकार

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार अपस्ट्रीम ऑयल सेक्टर में गैस उत्सर्जन की जांच के लिए नियम को सख्त करने की तैयारी कर रही है। इसके लिए ड्राफ्ट पॉलिसी भी तैयार कर ली गई है।

अपस्ट्रीम ऑयल एंड गैस एक्सप्लोरेशन और उत्पादन क्षेत्र के लिए तैयार की गई केंद्र की नई ड्राफ्ट पॉलिसी का उद्देश्य गैस फ्लेयरिंग गतिविधियों सहित खनिज तेल संचालन के पर्यावरणीय प्रभाव को कम करना और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन और फ्लेयर्ड गैस की करीब से निगरानी करना है।

तेल क्षेत्रों से उत्पादन के दौरान गैस का नियमित रूप से प्रज्वलन होता रहता है, क्योंकि उत्पादन क्षेत्रों में गैस के उपयोग के लिए फैलिसिटीज जैसे रिइंजेक्शन, ऑन-साइट उपयोग, बाजार तक परिवहन आदि की कमी होती है। ड्राफ्ट पॉलिसी में यह प्रावधान है कि सभी पट्टेधारक और ठेकेदारों को प्रत्येक कैलेंडर तिमाही के अंत से पंद्रह दिनों के भीतर निश्चित फॉर्मेट के अनुसार तिमाही आधार पर प्रज्वलित गैस की मात्रा और उससे संबंधित उत्सर्जन की रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। नियमों में यह स्पष्ट किया गया है कि हर पट्टेदार और ठेकेदार खनिज तेल उत्पादक परिचालन के दौरान होने वाली ग्रीनहाउस गैस के उत्सर्जन को कम करने के उपाय अपनाएगा और लागू पर्यावरण कानूनों और मानदंडों का अनुपालन करेगा। ड्राफ्ट नियमों में कहा गया है कि प्रत्येक पट्टेदार और ठेकेदार को पट्टे पर दिए गए क्षेत्र से खनिज तेल का उत्पादन शुरू होने के 180 दिनों के भीतर खनिज तेल परिचालन से ग्रीनहाउस उत्सर्जन के स्रोतों की पहचान और मापने से विधि के लिए एक निगरानी प्लान प्रस्तुत करना होगा। ड्राफ्ट नियमों में आगे कहा गया कि पट्टेदार या ठेकेदार भारत सरकार को एक पर्यावरण प्रबंधन योजना और आपदा योजना प्रस्तुत करेगा, जिसमें भूजल दूषित होने और वायुमंडलीय उत्सर्जन सहित पर्यावरण के लिए जोखिम को कम करने के उपायों की रूपरेखा होगी। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने ड्राफ्ट नियमों पर पक्षकारों से टिप्पणियां मांगी हैं।

गैलेक्सी झेड फलीप 7 एफई जल्द आज सकता है बाजार में

नई दिल्ली।

भारतीय बाजार में सैमसंग अपना नया फोल्डेबल डिवाइस गैलेक्सी झेड फलीप 7 एफई जल्द ही उतार सकता है। गैलेक्सी झेड फलीप 7 एफई को सैमसंग की फ्लिप सीरीज़ का अधिक किफायती वर्जन माना जा रहा है। यह फोन कंपनी के आगामी गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट में पेश किया जा सकता है, जहां गैलेक्सी झेड फोल्ड 7 और गैलेक्सी झेड फलीप 7 भी लॉन्च होने की उम्मीद है। लॉन्च से पहले ही इस फोन से जुड़ी कई अहम जानकारियां ऑनलाइन लीक हो चुकी हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, सैमसंग इस डिवाइस की कीमत 1,000 यूरो (करीब 96,000 रुपये) से कम रख सकता है, जो कि मौजूदा गैलेक्सी झेड फलीप 6 की शुरुआती कीमत के आसपास है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इसमें 6.7 इंच की एलटीपीओ सुपर एमोलेड 2एक्स फोल्डेबल स्क्रीन दी जा सकती है, जो 120एचझेड रिफ्रेश रेट सपोर्ट करेगी। कवर स्क्रीन का साइज 3.4 इंच हो सकता है। फोन में क्वालकॉम का स्नैपड्रैगन 8 जेन 3 प्रोसेसर और 12जीबी रैम दिए जाने की संभावना है।

यह फोन 4000एमएएच की बैटरी के साथ आ सकता है, जो 25वॉट फास्ट चार्जिंग और 15वॉट वायरलेस चार्जिंग को सपोर्ट करेगा। साथ ही आईपी48 रेटिंग मिलने की उम्मीद है, जो इसे धूल और पानी से सुरक्षित रखेगी। फोटोग्राफी के लिए इसमें डुअल रियर कैमरा सेटअप हो सकता है, जिसमें 50 मेगापिक्सल का मुख्य सेंसर और 12 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड लेंस शामिल होगा। फ्रंट में 10 मेगापिक्सल का सेल्फी कैमरा मिल सकता है। सभी कैमरे 4 के 60एफपीएस वीडियो रिकॉर्डिंग को सपोर्ट कर सकते हैं।

मंडियों में आवक घटने और मांग बढ़ने से तेल-तिलहन कीमतों में तेजी रही

मूंगफली और सोयाबीन का हाजिर दाम अब भी न्यूनतम समर्थन मूल्य से काफी कम

नई दिल्ली।

बीते सप्ताह मंडियों में कम आवक और मांग बढ़ने के बीच देश के तेल-तिलहन बाजार में सभी तेल-तिलहन के भाव तेजी के साथ बंद हुए। इसके बावजूद मूंगफली और सोयाबीन का हाजिर दाम अब भी न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से काफी कम है। बाजार सूत्रों ने कहा कि वर्तमान में जो सुधार देखा गया वह पिछले सप्ताह की कीमत के मुकाबले जरूर आया है पर इसे सुधार कहना अनुचित होगा। जैसे नवंबर, 2024 में जिस सीपीओ का दाम 1,310 डॉलर प्रति टन था वह घटकर 1,025-1,030 डॉलर टन रह गया है। अब अगर सीपीओ का मौजूदा दाम बढ़कर 1,035-1,040 डॉलर हो जाये तो इसे 'तेल कीमतों में भारी तेजी' बताना सही नहीं होगा। संभवत- इसी तरह की समीक्षाओं की वजह से भी देश के तेल-तिलहन उत्पादन को आघात पहुंचा है और देश खाद्य तेलों के मामले में आयात पर निर्भर होता चला गया है। सूत्रों ने कहा कि विदेशों में दाम टूटने के बीच कच्चे पाम तेल (सीपीओ) की मांग बढ़ने लगी है। मलेशिया में सीपीओ का उत्पादन बढ़ने का समय है और उम्मीद है कि इसका दाम सोयाबीन तेल से और घटेगा और उसके बाद इसकी मांग में अभी के मुकाबले और सुधार होगा। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 185 रुपये के सुधार के साथ 6,460-6,560 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। जबकि, सरसों दादरी तेल का थोक भाव 675 रुपये के सुधार के साथ 13,725 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश- 75-75 रुपये के सुधार के साथ क्रमश- 2,435-2,535 रुपये और 2,435-2,560 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमश- 125-125 रुपये सुधार के साथ क्रमश- 4,600-4,650 रुपये और 4,300-4,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार, सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमश- 500 रुपये, 350 रुपये और 400 रुपये बढ़कर क्रमश- 13,550 रुपये, 13,300 रुपये और 9,450 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। मूंगफली तिलहन का दाम 125 रुपये की मजबूती के साथ 5,750-6,125 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव क्रमश- 200 और 30 रुपये की मजबूती के साथ क्रमश- 14,100 रुपये क्विंटल और 2,250-2,550 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। सूत्रों ने कहा कि छिटपुट मांग बढ़ने से सीपीओ 200 रुपये की मजबूती के साथ 11,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 250 रुपये की तेजी के साथ 13,350 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 350 रुपये की मजबूती के साथ 12,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। तेजी के आम रुख के अनुरूप, समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल भी 350 रुपये बढ़कर 13,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

मोटो जी86 5जी लॉन्च करने की तैयारी, मिलेंगे दमदार फीचर्स

नई दिल्ली।

मोटोरोला कंपनी जल्द ही मोटो जी86 5जी लॉन्च कर सकती है। हाल ही में सामने आई एक लीक में इस अपकमिंग डिवाइस के लगभग सभी फीचर्स उजागर हो चुके हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक मोटो जी86 5जी में 6.67 इंच का फुल एचडी प्लस कर्व्ड पीओएलईडी डिस्प्ले मिलेगा, जो 10-बिट कलर सपोर्ट और 120एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ आएगा। यह फोन पिछले साल लॉन्च हुए मोटो जी85 का अपग्रेड वर्जन होगा। इसकी ब्राइटनेस 4500 निट्स तक हो सकती है और स्क्रीन को गोरिल्ला ग्लास 7 आई का प्रोटेक्शन मिल सकता है। प्रोसेसर की बात करें तो इसमें मीडियाटेक डाइमेंसिटी 7300 चिपसेट मिलने की संभावना है। फोन में 12जीबी तक रैम और 256जीबी तक इंटरनल स्टोरेज का विकल्प मिलेगा। कैमरा सेगमेंट में यह स्मार्टफोन भी दमदार साबित हो सकता है। पीछे की तरफ इसमें ओआईएस सपोर्ट वाला 50 मेगापिक्सल का प्राइमरी कैमरा और 8 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड लेंस मिलेगा। फोन को एमआईएल एसटीडी 810एच सर्टिफिकेशन और आईपी68 रेटिंग के साथ पेश किया जा सकता है, जिससे यह डस्ट और वॉटर रेजिस्टेंस के मामले में भी मजबूत रहेगा। मोटो जी86 5जी को एक प्रीमियम लेकिन मिड-रेंज विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। वहीं, सेल्फी के लिए इसमें 32 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा दिया जा सकता है।

बैटरी के मामले में यह फोन दो ऑप्शन्स में आ सकता है - 5200एमएएच या फिर बड़ी 6720 एमएएच की बैटरी, जो 33वॉट फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करेगी। सिक्योरिटी के लिए इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट सेंसर और सॉफ्टवेयर के लिहाज से यह एंड्रॉयड 15 पर काम करेगा।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक कजोड़मल मीना के लिए स्काईटक प्रिन्टर्स, 111, नवाब कल्लन का बाग, एमएलए क्वार्टर, नीयर समाचार जगत, एमआई रोड, जयपुर से मुद्रित एवं 303, भव्य टॉवर, कबीर मार्ग, बनीपार्क जयपुर से प्रकाशित।
(इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी) समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्राधिकार जयपुर शहर होगा। मो. नं. 9928078717